

कशिनगंगा जलवदियुत एवं पकल दुल बजिली परियोजना : घाटी के विकास की नई लहर

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू एवं कश्मीर में कशिनगंगा जलवदियुत परियोजना का उद्घाटन किया। साथ ही इस अवसर पर उन्होंने पकल दुल बजिली परियोजना का शिलान्यास भी किया। पकल दुल बजिली परियोजना की क्षमता 1000 मेगावाट की है, यह जम्मू एवं कश्मीर की सबसे बड़ी जलवदियुत परियोजना होगी। विशेष बात यह है कि यह जम्मू एवं कश्मीर में पहली भंडारण परियोजना भी है।

कशिनगंगा जलवदियुत परियोजना

- कशिनगंगा जलवदियुत संयंत्र से कशिनगंगा नदी पर बांध बनाकर जलवदियुत उत्पन्न की जाती है। यह जम्मू कश्मीर में बन्दीपुर से पाँच कमी उत्तर में स्थिति है। इसकी स्थापति क्षमता 300 मेगावाट बजिली पैदा करने की है।
- जम्मू-कश्मीर सरकार एवं भारत सरकार के बजिली मंत्रालय के बीच जुलाई 2000 में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये जाने के बाद राज्य सरकार द्वारा नष्पादन के लिये इस परियोजना को एनएचपीसी (National Hydroelectric Power Corporation - NHPC) के सुपुर्द कर दिया गया था।

लाभ

- कशिनगंगा जलवदियुत परियोजना राज्य को 13 प्रतिशत की निःशुल्क बजिली उपलब्ध कराएगी जो लगभग 133 करोड़ रुपए प्रतिवर्ष के बराबर होगी।
- इस परियोजना से राज्य को अन्य लाभ भी होंगे जैसे- जम्मू एवं कश्मीर के लोगों को रोजगार मिलेगा, राज्य में बुनियादी ढाँचे का विकास होगा आदि।
- ऐसा अनुमान है कि निर्माण चरण के दौरान प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के माध्यम से इस परियोजना में 1850 स्थानीय व्यक्ति शामिल होंगे तथा परिचालन चरण के दौरान 750 स्थानीय व्यक्ति इससे जुड़ेंगे।

कशिनगंगा जलवदियुत परियोजना विवाद

- भारत ने जम्मू-कश्मीर के बारामूला ज़िले में कशिनगंगा नदी पर 300 मेगावाट की जलवदियुत परियोजना स्थापित करने का निर्णय किया। इस परियोजना पर वर्ष 2007 में ही काम शुरू हो गया था, लेकिन इसे दुरभाग्य ही कहा जाएगा कि अभी तक इस मामले में कोई उल्लेखनीय प्रगति देखने को नहीं मिली है।
- गौरतलब है कि वर्ष 2010 में पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता न्यायालय (International Court of Arbitration) में इस परियोजना के संबंध में यह कहते हुए आपत्तित्व दर्ज कराई थी कि इस परियोजना के बनने से कशिनगंगा नदी के 15 फीसदी पानी पर, यानी कि जिस पर उसका अधिकार है (सधु जल समझौते के तहत), वह छिन जाएगा।
- इसके अलावा, पाकिस्तान ने भारत पर उसकी नीलम-झेलम पनबजिली परियोजना को नुकसान पहुँचाने के लिये नदी का रुख मोड़ने का भी आरोप लगाया था।
- दरअसल, इस मामले में पाकिस्तान की दलील यह थी कि कशिनगंगा नदी का रुख मोड़कर इसे झेलम नदी की एक सहायक नदी बनाना सधु जल समझौते के खिलाफ है।
- ध्यान रहे कि इस परियोजना के अंतर्गत 'बोनार-मदमती नाला' के ज़रिये कशिनगंगा नदी को झेलम से जोड़ा जाना था।
- नीदरलैंड के हेग स्थिति अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता न्यायालय ने अपने 'आंशिक फैसले' में कहा था कि कशिनगंगा पनबजिली परियोजना (केएसईपी) वस्तुतः "नदी के बहाव से चलने वाला" संयंत्र है और इस संयंत्र से वदियुत् उत्पादन के लिये भारत कशिनगंगा या नीलम नदी के पानी का रुख मोड़ सकता है।
- यहाँ बताते चलें कि कशिनगंगा, नीलम नदी का ही दूसरा नाम है। न्यायालय ने अपने फैसले में यह भी कहा कि इस परियोजना के परिचालन के दौरान भारत पर कशिनगंगा नदी में पानी का न्यूनतम बहाव बनाए रखने की भी बाध्यता है।
- न्यायालय ने दोनों देशों द्वारा उपलब्ध कराए गए जल विज्ञान संबंधी नए आँकड़ों के आधार पर अपने 'अंतिम फैसले' में न्यूनतम बहाव की दर 9 घन मीटर प्रतिसेकंड निर्धारित की थी।
- साथ ही, फैसले में यह भी कहा गया था कि यह संघभारत को किसी अनपेक्षित आपात स्थिति के अलावा पाकिस्तान को आवंटित इन नदियों के जलाशयों में पानी का स्तर 'स्थिर संग्रह स्तर' के नीचे करने की इजाज़त नहीं देती।
- ध्यान देने योग्य बात यह है कि अंतरराष्ट्रीय न्यायालय द्वारा परियोजना से संबंधित क़ानूनी विवादों को तो हल कर लिया गया, किन्तु परियोजना के उद्घाटन संबंधी विवादों को द्विपक्षीय वार्ता के माध्यम से सुलझाने का निर्णय लिया गया था। ध्यातव्य है कि अभी तक इस संबंध में कोई प्रगति नहीं

हुई है, अतः डिज़ाइन संबंधी विवाद यथावत बना हुआ है।

पकल दुल परियोजना

- आर्थिक मामलों पर मंत्रिस्तरीय समिति की मंजूरी के अनुसार, पकल दुल की परियोजना लागत 8112.12 करोड़ रुपए है। यह परियोजना भारत सरकार एवं जम्मू-कश्मीर राज्य सरकार दोनों द्वारा समर्थित है।
- इसके कार्यान्वयन की समय-सीमा परियोजना के आरंभ होने से 66 महीनों तक की निर्धारित की गई है।
- इस परियोजना से डाउन स्ट्रीम परियोजनाओं में 650 एमयू का अतिरिक्त सृजन होगा क्योंकि यह भंडारण प्रकार की परियोजना है और खाली मौसम में जल उपलब्धता में भी सुधार लाएगी।
- पकल दुल परियोजना से जम्मू एवं कश्मीर के लोगों को काफी लाभ पहुँचेगा। निर्माण चरण के दौरान प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के माध्यम से इस परियोजना से लगभग 3000 व्यक्तियों तथा परिचालन चरण के दौरान 500 व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा।

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/pakal-dul-hydroelectric-project-to-create>

